UNIVERSITY OF CAMBRIDGE INTERNATIONAL EXAMINATIONS
General Certificate of Education
Advanced Subsidiary Level and Advanced Level

HINDI **8675/04**
9687/04

Paper 4 Texts

October/November 2006

2 hours 30 minutes

Additional Materials: Answer Booklet/Paper

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

If you have been given an Answer Booklet, follow the instructions on the front cover of the Booklet.
Write your Centre number, candidate number and name on all the work you hand in.
Write in dark blue or black pen.
Do not use staples, paper clips, highlighters, glue or correction fluid.

Answer any **three** questions, each on a different text. You must choose one from Section 1, one from Section 2 and one other.
Write your answers in **Hindi** on the separate answer paper provided.
Dictionaries are not permitted.
You may take unannotated texts into the examination.
You should write between 500 and 600 words for each answer.
You are advised to divide your time equally between your answers.
At the end of the examination, fasten all your work securely together.
The number of marks is given in brackets [ ] at the end of each question or part question.

उत्तर लिखने के पहले इन निर्देशों को पढ़िएः

उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखे निर्देशों का अनुसरण कीजिए।
अपना नाम, केन्द्र-संख्या और छात्र-संख्या अपनी उत्तर-पुस्तिका के हर पृष्ठ पर लिखिए।
लिखने के लिए केवल गहरे नीले या काले रंग की कलम का ही प्रयोग कीजिए और अपने उत्तर पृष्ठों के दोनो तरफ़ लिखिए।
स्टेप्लर, पेपर-क्लिप, हाईलाइटर, गोंद और करेक्शन फ़्लुइड का प्रयोग न करें।
शब्द-कोष का प्रयोग मना है।
आप परीक्षा में पाठ्य-पुस्तकों का प्रयोग तो कर सकते हैं पर उसमें आपके या किसी और के द्वारा लिखित कोई अन्य सामग्री नहीं होनी चाहिए।
किन्हीं <u>तीन</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए, तीनों प्रश्न भिन्न-भिन्न पाठ्य पुस्तकों से चुने जाने चाहिए। भाग 1 से एक प्रश्न, भाग 2 से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। तीसरा प्रश्न किसी भी भाग से चुना जा सकता है।
अपने उत्तर, दिए गए परीक्षा पत्रों पर **हिन्दी** में ही लिखिए। आप जिन प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं उन प्रश्नों का नम्बर हाशिए में लिखना अनिवार्य है।
आपके उत्तर 500 से 600 शब्दों के बीच में लिखे होने चाहिए।
हर प्रश्न के अन्त में कोष्ठक [ ] के अन्दर उस प्रश्न के अधिकतम अंक लिखे हुए हैं।
आपको परामर्श दिया जाता है कि आप हर उत्तर के लिए बराबर-बराबर समय दें।
यदि आप एक से अधिक पृष्ठों का प्रयोग करते हैं तो उन्हें धागे से एक साथ बाँध दें।

This document consists of **5** printed pages and **3** blank pages.

SP (SC) T11360/3
© UCLES 2006

UNIVERSITY *of* CAMBRIDGE
International Examinations

[Turn over

www.theallpapers.com

1 **तुलसी दास** - श्रीरामचरितमानस

प्रश्न 'क' और 'ख' में से केवल एक प्रश्न का ही उत्तर दीजिए ।

(क)

(i) निम्नलिखित दोहा न॰३७ किसने, किससे और किस सन्दर्भ में कहा है ? अपने उदाहरणों के द्वारा इस दोहे का अर्थ समझाइये ।

(ii) सम्पूर्ण पद्यांश में दी गई सीखों का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। [25]

दो०-सचिव बैद गुर तीनि जौं प्रिय बोलहिं भय आस ।
राज धर्म तन तीनि कर होहिं बेगिहीं नास ॥ ३७ ॥

सोइ रावन कहुँ बनी सहाई । अस्तुति करहिं सुनाइ सुनाई ॥
अवसर जानि बिभीषनु आवा । भ्राता चरन सीसु तेहिं नावा ॥ १ ॥
पुनि सिरु नाई बैठ निज आसन । बोला बचन पाइ अनुसासन ।
जौ कृपाल पूँछिहु मोहि बाता । मति अनुरूप कहउँ हित ताता ॥ २ ॥
जो आपन चाहै कल्याना । सुजसु सुमति सुभ गति सुख नाना ।
सो परनारि लिलार गोसाईं । तजउ चउथि के चंद के नाईं ॥ ३ ॥
चौदह भुवन एक पति होई । भूत द्रोह तिष्टइ नहिं सोई ॥
गुन सागर नागर नर जोऊ । अलप लोभ भल कहइ न कोऊ ॥ ४ ॥

दोहा॰- काम क्रोध मद लोभ सब नाथ नरक के पंथ ।
सब परिहरि रघुबीरहि भजहु भजहिं जेहि संत ॥ ३८ ॥

-सुन्दर काण्ड-

या

(ख) 'यदि तुलसीदास राम के लोक-रक्षक स्वरूप के परम पुजारी थे तो सूरदास कृष्ण के लोकरंजक स्वरूप पर मुग्ध।' उपर्युक्त पद और भ्रमरगीत के माध्यम से इस कथन पर प्रकाश डालिए। [25]

www.theallpapers.com

2 **वाचस्पति पाठक** - प्रसाद, निराला, पन्त, महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ

प्रश्न 'क' और 'ख' में से <u>केवल एक प्रश्न</u> का ही उत्तर दीजिए ।

(क)

(i) निम्नलिखित पद्य के रचयिता कौन हैं ?

(ii) यह किस परम्परा की कविता है और यह कविता उस परम्परा को कैसे प्रतिबिम्बित करती है?

(iii) कविता की संक्षिप्त व्याख्या करते हुए, अलंकारों व भाषा-शैली पर टिप्पणी कीजिए । उदाहरण के लिए कविता में आए अनुप्रास, रूपक, अन्योक्ति, विरोधाभास अलंकार [25]

मेरे नाविक !
ले चल वहाँ भुलावा दे कर,
मेरे नाविक ! धीरे-धीरे ।

जिस निर्जन में सागर लहरी ।
अम्बर के कानों में गहरी -
निश्छल प्रेम कथा कहती हो,
तज कोलाहल की अवनी रे ।

जहाँ साँझ सी जीवन छाया,
ढीले अपनी कोमल काया,
नील नयन से ढुलकाती हो,
ताराओं की पाँत घनी रे ।

जिस गम्भीर मधुर छाया में-
विश्व चित्र-पट चल माया में-
विभुता विभु सी पड़े दिखाई,
दुख सुख वाली सत्य बनी रे ।

श्रम विश्राम क्षितिज वेला से -
जहाँ सृजन करते मेला से -
अमर जागरण उषा नयन से -
बिखराती हो ज्योति घनी रे !

या

(ख)

जयशंकर प्रसाद व निराला की कविताओं के भाव-सौन्दर्य और काव्य-सौन्दर्य की तुलनात्मक विवेचना कीजिए । [25]

www.theallpapers.com

3 मैथिलीशरण गुप्त - 'भारत भारती'

प्रश्न 'क' और 'ख' में से केवल एक प्रश्न का ही उत्तर दीजिए ।

(क)

(i) निम्नलिखित काव्यांश का भावार्थ संदर्भ सहित लिखिए ।

(ii) इस कविता की भाषा-शैली और मुल-भावना पर टिप्पणी कीजिए। [25]

है खोलती सरकार यद्यपि काम शीघ्र अकाल के,
होतीं सभाएँ, और खुलते सत्र आटे-दाल के ।
पूरा नहीं पड़ता तदपि, वह त्राहि कम होती नहीं ;
कैसी विषमता है कि कुछ भी हाय ! सम होती नहीं ॥२१॥

प्रायः सदा दुर्भिक्ष ऐसा है बना रहता जहाँ,
आश्चर्य क्या यदि फिर निरन्तर नीचता फैले वहाँ ।
करता नहीं क्या पाप भूखा ? पेट ! हो तेरा बुरा,
हा ! छोड़ती सुत तक नहीं उरगी क्षुधा से आतुरा ! ॥२२॥

वर्तमान खण्ड-दुर्भिक्ष

या

(ख) "मैथिलीशरण गुप्त को अपने देश, जाति और प्राचीन मूल्यों पर अपार गर्व था । भारत-भारती में संकलित 'हमारी वीरता' कविता उनकी इन्हीं भावनाओं का प्रकाशन करती है ।" उदाहरणों के साथ इस कथन की पुष्टि कीजिए। [25]

www.theallpapers.com

भाग 2

निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>केवल एक प्रश्न</u> के 'क' या 'ख' भाग का उत्तर दीजिए ।

4 प्रेमचन्द - 'प्रतिज्ञा'

(क) ' प्रेमचन्द एक उद्देश्य-प्रधान उपन्यासकार हैं ।' - 'प्रतिज्ञा' उपन्यास के आधार पर इस कथन का विश्लेषण कीजिए ।

या

(ख) 'प्रतिज्ञा' उपन्यास के दो प्रमुख पात्र अमृतराय और दाननाथ अभिन्न मित्र होते हुए भी चरित्र और विचारों में एकदम भिन्न हैं । इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

[25]

5 जैनेन्द्र कुमार - '२३ हिन्दी कहानियाँ'

(क) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी की कहानी 'उसने कहा था' की मूल भावना पर प्रकाश डालते हुए लहना सिंह का चरित्र चित्रण उदाहरणों के साथ कीजिए ।

या

(ख) "कफ़न कहानी अपने समय के समाज को प्रतिबिम्बित करती है ।" घीसू और माधव के चरित्रों के द्वारा लेखक ने इसे कैसे चित्रित किया है ? विवेचना कीजिए ।

[25]

6 अभिमन्यु अनत - 'मॉरिशसीय हिन्दी कहानियाँ'

(क) रामदेव धुरंधर की 'विष-मंथन' कहानी में किन समस्याओं का वर्णन है, उनके लिए कौन-कौन उत्तरदायी है और उसका समाधान कैसे हुआ ? कहानी के अन्त पर अपना मत प्रकट कीजिए।

या

(ख) "महेश रामजियावन कृत 'चक्कर' सामाजिक अव्यवस्था पर एक मार्मिक व्यंग्य है।" इस कथन की पुष्टि कीजिए ।

[25]

© UCLES 2006

www.theallpapers.com

BLANK PAGE

www.theallpapers.com

BLANK PAGE

www.theallpapers.com

BLANK PAGE

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

University of Cambridge International Examinations is part of the University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is itself a department of the University of Cambridge.

www.theallpapers.com